

अवधाना



लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण : 11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग खत्म
असम में सबसे ज्यादा 76.55% वोटिंग

65.07

प्रतिशत डाले गये वोट

- ईईएम ने कैट 10 केंद्रीय नियुक्तियों की किसिटा
- महाराष्ट्र ने 55.54 प्रतिशत, बिहार-छत्तीसगढ़ में तीन की गौत

नई दिल्ली। 10 राज्यों और एक केंद्रीय प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी चोराश शाम छह बजे तक चुनाव आयोग के बोर्ड टर्नआउट ऐप पर रात 9 बजे तक के अपडेट के मुताबिक, 65.07 प्रतिशत



लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे प्रतिशत प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी चोराश शाम छह बजे तक चुनाव आयोग के बोर्ड टर्नआउट ऐप पर रात 9 बजे तक के अपडेट के मुताबिक, 65.07 प्रतिशत और सबसे कम

महाराष्ट्र में 53.40 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। वहीं दोपहर तीन बजे तक 53.60 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा प्रतिशत वोटिंग बिहार में 63.11 प्रतिशत वोटिंग हुई और सबसे कम महाराष्ट्र में 42.63 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले

संभल में सबसे ज्यादा, आगरा में कम हुई वोटिंग शूपी में 57.34

मंगलवार को तीसरे चरण में शूपी की 10 सीटों पर फीसदी मतदान निराश किया है। तीसरे चरण में मंगलवार शाम 8 बजे तक

57.34 फीसदी मतदान हुआ। फिल्ही बार 60.52 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार 2019 के मुकाबले

मतदान कम ही हुआ। फिल्ही बार 60.52 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार

सबसे अधिक 62.81 प्रतिशत वोट संभल सीट पर पड़े जबकि सबसे कम 53.99

प्रतिशत मतदान आगरा सु.सीट पर हुआ। राहत यही है कि छिट्ठुर घटनाओं को

छोड़कर मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस तीसरे चरण के मतदान में सभा

प्रमुख अधिकारी वादव की पीठ डिस्पल यादव, अधिकारी वादव के दो अव्य

सदस्यों, प्रदेश सचिवर के दो अधिकारी और भाजपा के चार मौजूदा सारेंदों का

राजनीतिक भविष्य इलेक्शनिक वोटिंग मशीन में ढूंग हो गया।

थे। बिहार में वोटिंग के दौरान पीछासीन

अधिकारी और होमगार्ड जवान की

मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में

मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग बॉटर

की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में

मुशिदाबाद के भाजपा कैडिंगेट और

टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई

है। यूपी के सभापति में पुलिस ने लोगों पर

लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग

घायल हो गए।

मुख्यमंत्री जेबी पारदीवाला और

न्यायमूर्ति मनोज मिश्री की पीठ ने कहा

बंगाल में 25000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने पर रोक

राहत

- 16 जुलाई से सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एगुलर सुनाई
- हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को नौकरियां रद्द की थीं



कि चूकि टेंडर अप्लाईमेंटों को अलग मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल के अदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और रैशियकों को नियुक्तियों को अमान्य कर दिया गया था। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। समष्टि शरण के अधीकारी ने उच्च न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। समष्टि शरण के अधीकारी ने उच्च न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने के भी अनुमति दी। हालांकि, अदालत ने जांच एंसेंबली से कहा कि उमीदवारों या अधिकारियों के खिलाफ कोई नियुक्तियों को पूरी तरह से रद्द करना नासमझी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अवैध अंतरिम संक्षण को जारी रखने हैं। इसमें शताब्दी आई को अदेश न्यायालय के अदास के अनुसार मामले की जांच जारी रखने क

सम्पादकीय

वायनाड से रायबरेली

राहुल के लिये 2019 के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को अपना गढ़ छोड़ वायनाड की शरण में जाना पड़ा। अमेठी और रायबरेली से कांग्रेस परिवार का पुनरुत्तम और भावनावाल करिता रहा है। अमेठी से राहुल को हराने वाली स्मृति इसीं पर चुनाव में भाजपा प्रत्याशी है। सर्वेक्षण और अनुमान भाजपा की लिये मुलाकी पेश कर रहे हैं। कांग्रेस और कुछ लोग इसे कांग्रेस की राजनीति बता रहे हैं। पर अदामी दो जगह से चुनाव लड़ता है तो वह उसकी कमज़ोरी ही बताती है। कांग्रेस रायबरेली और अमेठी को लेकर बहुत मन्थन कर रही थी। इसलिये बहुत देर से सोनिया गांधी की सीट पर राहुल को वायनाड के बावजूद यहाँ से भी उत्तरा। अमेठी के बजाय रायबरेली से जीतने की उम्मीद है। अब मतदाता कहाँ तक उनकी उम्मीद पूरा करता है वह 4 जून बतायेगा।

रायबरेली और अमेठी में कांग्रेस की श्रेणी पार्टी के लिये इज्जत का सावधान बनी रही है। इसे भरने के लिये कांग्रेस को दिया मौका मन्थन चलता रहा है। अनुमान की तरफ इस बाय रायबरेली और अमेठी के लिये राहुल और प्रियका को उम्मीदवारों घोषित किया जायेगा। दिन बीते रहे। नामांकन की आधिकारी तारीख सामने आ गयी तो राहुल के रायबरेली से पर्व भरवा दिया गया। अमेठी से के.एल.शर्मा को अमेठी से पर्व भरवा दिया गया। राहुल के खिलाफ भाजपा के दिनेस प्रताप सिंह जो मंत्री भी है चुनाव लड़ रहे हैं। किशोरी लाल कांग्रेस के विधायक पार्टी और बहुत करीबी है पंजाब के रहने वाले हैं। अमेठी में कांग्रेस का कोरोबार सभालते रहे हैं। गांधी रायबरेली से परिवारिक रिश्ते हैं। जब कांग्रेस रायबरेली और अमेठी उत्तर तो दोनों जगह का कोरोबार सभालते रहे हैं।

प्रियका के उम्मीदवारी के उत्तराधीन के जीतने का अन्नर भाजपा के आ जाने से बहुत कम हो गया था। भाजपा को कर्किरा इस बार सीट की भूमिका निभा रही है। विश्वलोकों का अनुमान है वायनाड की सीट चुनाव के बाद खाली करकर प्रियका को उत्तरा जायेगा। अगर कांग्रेस वहाँ से जीती है। रायबरेली से सोनिया के जीतने का अन्नर भाजपा के आ जाने से बहुत कम हो गया था। भाजपा को कर्किरा इसे रुक्षित रखने के लिया किया है। सोनिया ने राज्यसभा का रुक्ष अपने को मुक्तिहारी रखने के लिया किया है। भाजपा राहुल का रायबरेली आना भारत के दर ते भागना बता रही है। कांग्रेस इसे कांग्रेस का उत्तर भारत खासकर यूपी से प्रेष बता रही है। जो हो अगर प्रकाशमंत्री बनाना है, जिसके लिये कांग्रेस राहुल के पीछे कब से जोर लग रही है तो उसे यूपी में अपने को मजबूत करना होगा। अभी हालत उत्तर के अनुकूल नहीं है सपा से मद्द ले रही है। कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा कर्मजात है। एक बार सपा कांग्रेस को मेल कांग्रेस को कुछ दिला नहीं सका था। मोदी राहुल और अखिलेश और अपने को फलाव लगाए। कांग्रेस और गांधी पारिवार की साथ पांच पर लगी हुई है। कांग्रेस गमलता में तो नहीं गयी पर रायबरेली में गांधी परिवार पूजा अचना के बाद नामांकन किया है। पर तो मतदाता ही देंगे।



आकांक्षा प्रिया

‘बुरे फंसे’ पुस्तक नीरस जीवन में भरती है रस

पिछले दिनों में द्वारा पढ़ी जाने ही हवा रखती है। आय के नाम पर वाली पुस्तक रही ‘बुरे फंसे’, जो उस जर्जर हवेंकों के दुखों छोर पर कि एक हाय्य नाटक है। लेखिका एवं व्याख्यकार रिंकल शर्मा द्वारा रचित यह पुस्तक आज के नीरस जीवन में रस भरने का काम कर सकती है, या यूँ हाँ कहें कि उसका मान में रस की गुणवत्ता है—बाबूराम की जीवनी के फुहारे बरसते हुए हमरे अपने को मजबूत करने की ओर बिंदू आयी है।

175 पृष्ठों के इस हाय्य नाटक को पढ़ने हुए पाठक कभी भी उलझता हुआ या बेरियत-जैसा महसूस नहीं कर सकता। बल्कि पढ़ने-पढ़ते ऐसा लगता है जैसे मच पर करोने के नाटक चल रहा हो और उत्तर का अन्त उत्तर बैठता है। बाबूराम ने अपने को गुजर-बसर हो जाना रहा था। और रहमत हाँ जी के फुहारे बरसते हुए हमरे अंतर्मन को गुदामा जाती है।

बाबूराम के नाटक में और नाटक के मूल कथ्य के चतुर्दिंग माहौल

जीसे-सब्जी वाला, पान वाला, हल्वावाई, दर्जी, मैकेनिक आदि भी हैं जिसमें कि हर किसी की अनीं जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के स्वरूपों से मिली बंदक ही पूरे नाटक की जान है। नेता जी द्वारा यह योग्यांक की जाती है कि 15 अगस्त के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानीयों को पांच-पांच लाख रुपए दिया जायेगा। जबकि जारी रहने के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के स्वरूपों से मिली बंदक ही पूरे नाटक की जान है। नेता जी द्वारा यह योग्यांक की जाती है कि 15 अगस्त के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानीयों को पांच-पांच लाख रुपए दिया जायेगा। जबकि जारी रहने के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की एक सामाजिक कार्यकारी अधिकारी जगह पर दमदार भूंक हो जाती है।

इस हाय्य नाटक में कल्पना और उत्कर्ष के साथ खाली पुरावाप काते हुए कई तरह के तिकड़म लगाने में लग जाता है। साथ ही उत्साहित जोशी के उत्त्यास पर आधारित होकर गली-नुकड़ के सभी हाय्य वायरिंग की अजामी और धर्म यारों को अमिती भी करता है। जो दूसरी जीवनी को सुनने के लिये श्रोता बनते हुए, उनकी वाह-वाही करते रहते हैं। अब पढ़ते हुए देखना यह है कि क्या यथा कल्पना है?

पूजा बताती है कि दो साल पहले गांव की

झाड़ फूंक कराकर लौट रहे बाइक सवार खाई में गिरे, एक की मौत

अवधनामा संचाददाता



हमीरपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के भेड़ी गांव से झाड़ फूंक कराकर लौट रहे बाइक सवार समावार की दोपहर धोहर-जलालपुर मार्ग के बीच बगड़े नाले की खाई में जा गिरे। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि बाइक रुप से घाटल हो गया। तीसरा गांव पर्याय रुप से घाटल हो गया।

जबकि बबल सही सलामत बच गया। लेकिन धायलों की मदद करने के बजाए बबल बहा से घाटा निकला। दोनों धायल घटना स्थल पर दो घटे प्रत पड़े तड़पते रहे। इसकी धायल की भूमि तक नहीं लाया। धायलों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों निहाल में रहता है। राजू कल सोमवार को अपने रिशेदार संजय उत्तर चंद्रभान और बबल धूप गढ़वाल की सीएचसी सरीला लाया गया, जहाँ एक भूमि तक हो गई और दूसरे को गंभीर हालत में रफ़त दिया गया। जनपद लौटे समय दिन के 3 बजे के लापता धौहत जलालपुर मार्ग के आसपास धौहत जलालपुर मार्ग के

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

ग

